Thirteenth Loksabha

Session : 9
Date : 26-04-2002
Participants : Suman Shri Ramji Lal ,Baghel Prof S.P. Singh ,Pramod Mahajan Shri ,Babbar Shri Raj

Title: Alleged large scale demolitions by Army and Air Force in Agra.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : सभापति जी, आगरा के छावनी क्षेत्र में लंबे समय से फौज द्वारा गरीब लोगों को उजाड़ने का काम हो रहा है। इस सम्मानित सदन में पिछले सत्र में भी हमने यह सवाल उठाया था। कभी रक्षा मंत्रालय ने इस जमीन का अधिग्रहण किया होगा तो उस समय इस जमीन की उपयोगिता होगी लेकिन आज वहां घनी आबादी है और 50-60 वर्षों से गरीब और वाल्मीकि लोग वहां रह रहे हैं। बिना किसी नोटिस और पूर्व सूचना के हजारों की संख्या में लोगों को उजाड़ दिया गया है। स्थिति यहां तक बिगड़ी है कि जिसके घर में कल शादी होने वाली है, उसके यहां रिश्तेदार आ गए, मिलने जुलने वाले आ गए। पता चला की रात को ही उसका घर उजाड़ दिया गया और उसको बेघरबार कर दिया गया।

सभापति जी, आज हजारों लोग खुले मकान के नीचे रहने को विवश हैं और जो हालत वहां बन गई है उसके कारण बहुत तेजी से गरीब और दलित लोग पलायन कर रहे हैं। सरकार को अगर इन्हें उजाड़ना था तो सबसे पहले इनके रहने की वैकल्पिक व्यवस्था करती। सरकार ने इनके रहने की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की।

व्यक्तिगत तौर पर मैं और हमारे साथी सांसद श्री राज बब्बर जी रक्षा मंत्री जी से मिले। जो हमारे आगरा के बगल के क्षेत्र के सांसद श्री एस.पी. बघेल जी हैं, वे भी रक्षा मंत्री जी से मिले। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की हाल में हुई बैठक में भी हमने मंत्री महोदय से कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार से पत्र-व्यवहार करें और वहां के आला अफसरान को बुलाकर बात करिए कि ये लोग गरीब लोग हैं। इनके पास रहने के लिए कोई मकान नहीं है, कोई व्यवस्था नहीं है। इसलिए इन लोगों के रहने का कोई बन्दोबस्त किया जाए, लेकिन आज तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है, कोई बन्दोबस्त नहीं किया गया है।

ऐसी हालत में जहां इन दलित बस्तियों को उजाडने का काम हो रहा था वहीं एयरफोर्स के सेंट्रल कमान के अधिकारियों ने एक और फरमान जारी किया कि एयरपोर्ट आगरा की बाउंड्री वॉल से 900 मीटर दूरी पर जो लोग रहते हैं उनको हटाया जाएगा। इन लोगों ने जब वहां मकान बनवाए थे तब एन.ओ.सी. लिया था। मकान बनाने की सब प्राथमिक औपचारिकताएं पूरी की थीं।

बिलकुल गलत तरीके से लोगों को उजाड़ने का काम हो रहा है। यह बहुत गंभीर मामला है और हम व्यक्तिगत रूप से फरियाद कर चुके हैं, सरकार से कह चुके हैं, इस सदन में भी अपना बात कह चुके हैं कि इस प्रकार से लोगों को भगवान भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। अभी सरकार ने कहा है कि नौ एकड़ जमीन कालिंदी विहार में इन लोगों को मुहैया कराई जाएगी लेकिन वह अपर्याप्त है। मैं चाहूंगा कि सरकार इन लोगों से बगैर एक पैसा लिए इन लोगों को बसाने का काम करे।

श्री मदन लाल खुराना : यह कहां का सवाल उठा रहे हैं ?

श्री रामजीलाल सुमन : आगरा का है और कहां का है। खुराना जी, अभी आपने जो सवाल उठाया था, क्या वह लंदन का था ? खुराना जी, आप दिल्ली में रहते हैं इसलिए आप दिल्ली के बारे में बोल रहे थे। मैं आगरा का हूं। इसलिए मैं आगरा के बारे में बोल रहा हूं।

MR. CHAIRMAN : Shri Ramji Lal Suman, please address the Chair.

श्री रामजीलाल सुमन : सभापति महोदय, यह बहुत गंभीर सवाल है। देखने में यह भी आया है कि वहां के जो अधिशासी अधिकारी और दूसरे लोग हैं, उनकी जो कार्रवाई हो रही है, उस कार्र वाई में पक्षपात है। गरीब लोगों को उजड़ा जा रहा है। जो अच्छी आलीशान कोठियां बनी हैं, उनको टच नहीं किया जा रहा है। किसी की दुकान में ताला लगा दिया, फिर थोड़ी ही देर बाद वह ताला खोल दिया जाता है। मैं नहीं चाहता कि वहां से कोई हटे, लेकिन प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि जिन लोगों के पास रहने के लिए मकान नहीं हैं, जो लोग 50-60 साल से वहां रह रहे हैं, जिनके पास टेलीफोन कनैक्शन है, राशन कार्ड है, बिजली का कनैक्शन है, इन लोगों का मतदाता सूची में नाम है और सब कुछ होने के बावजूद भी इन्हें वहां से हटाया जा रहा है। यह अत्यन्त गंभीर सवाल है।

हम यह जरूर चाहेंगे कि इस मामले में सरकार तत्काल हस्तक्षेप करे और वहां आर्मी को निर्देशित करे कि वहां से किसी को भी हटाने का काम न किया जाए और जिन लोगों को उजाड़ दिया गया है, उन्हें सरकार अपने खर्चे पर बसाने की व्यवस्था करे।

SHRI ALI MOHD. NAIK (ANANTNAG): I have given a notice and I want to raise a very important matter.

MR. CHAIRMAN: I would call you.

...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Shri Varkala Radhakrishnan, I would call you.

प्रो. एस.पी.सिंह बघेल (जलेसर) : सभापति जी, अभी आगरा के कैंटोनमेंट बोर्ड और आगरा एयरपोर्ट तथा एयरफोर्स के अधिकारियों द्वारा जो फरमान जारी किया गया है तथा जिसके बारे में हमारे वरिठ सांसद श्री सुमन जी ने अभी मामला उठाया, मैं उस विाय में कुछ और बातें बताना चाहता हूं। खेरिया हवाई अड्डा जो आगरा में है और जहां से राज बब्बर जी हमारे सांसद हैं, उनकी और हमारी भावनाएं एक ही हैं। वे इस विाय में रक्षा मंत्री जी से मिल चुके हैं, आगरा के अधिकारियों से मिल चुके हैं। खेरिया के हवाई अड्डे की जो बाउंड्री वॉल है उससे वायु सुरक्षा के नाम पर 900 मीटर में जितने भी मकान, दुकान, प्रतिठान, स्कूल और अस्पताल हैं उन सबको गिराने के लिए कहा गया है। इसके साथ-साथ यह भी कहा गया है कि वहां एक भी पेड़ नहीं रहेगा। इससे 50 हजार मकान गिरेंगे। यह बहुत गंभीर बात है और 5 लाख से 6 लाख के बीच में आबादी प्रभावित होगी। ये वे मकान हैं, कालोनियां हैं जो लगभग 25 साल से लेकर 100 साल तक पुरानी हैं। इसमें कुछ मोहल्ले तो 100 साल पहले अंग्रेजों के जमाने से बने हुए हैं। कुछ कालोनियां 25 साल पहले बनी हैं जिनमें मुख्य रूप से अर्जुन नगर, ग्यासपुरा, लक्ष्मण नगर, आदर्शपुरी, कमालखां, नबीपुरा और धनौली आदि हैं। ये जितने भी मकान हैं, उन सबकी रजिस्ट्री है, सबके बयनामे हैं। इसके अलावा उन सबके आगरा विकास प्राधिकरण द्वारा नक्शे पास किये गये हैं। इन मकानों के मालिक आगरा नगर-निगम को टैक्स दे रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इंडियन एयरफोर्स के अधिकारियों द्वारा "नो आब्जेक्शन सर्टीफिकेट" भी उन भूस्वामियों को दिया गया है। जिन मकानों को गिराने के लिए कहा गया है, उनको बनाने के लिए जो एन.ओ.सी. दी जाती है, उसकी कापी मैं लेकर आया हूं। वे भू स्वामी नगर निगम को उन मकानों का टैक्स भी दे रहे हैं। इसके अलावा वह जमीन किसानों से खरीदी गयी थी, भूमिधर किसानों से खरीदी गयी थी। एयर फोर्स ने एन.ओ.सी देते समय यह शर्त जरूर रखी थी कि वहां डैनेज और सीवरेज जरूर होना चाहिए। इसके अलावा मकान की ऊंचाई 30फुट से ऊपर नहीं होनी चाहिए। यद्यपि यह वायु सुरक्षा का मामला है और राट्र से बढ़कर और कोई चीज नहीं है। इस, बात से हम भी सहमत हैं। सवाल यह है कि वहां छः-सात लाख लोगों को उजाड़ा जायेगा। 50 हजार मकान गिराये जायेंगे। उन्होंने एन.ओ.सी. ले रखी है। उनके पास उन मकानों का रजिस्ट्रेशन है और वह टैक्स भी दे रहे हैं। ए.डी. से नक्शा एप्रूव्ड है। 11 अप्रैल के "दैनिक जागरण" अखबार में जब से यह खबर छपी है तब से लेकर कम से कम 10-15 लोगों को हार्ट अटैक पड़ चुके हैं। आप जानते हैं कि एक ईमानदार आदमी अपने जीवन भर की कमाई से ज्यादा से ज्यादा एक मकान बना पाता है और एक आध अपनी बिटिया की शादी कर पाता है। जब उनके मकान गिर जायेंगे तब वे कहां जायेंगे ?

इस बात के लिए श्री राज बब्बर जी रक्षा मंत्री जी से मिले थे। उन्होंने आश्वासन भी दिया। इस संबंध में श्री सुमन जी और हमने भी यहां सवाल उठाया है। इसके अलावा हम अपने क्षेत्र में भी इस बात को कहेंगे। इसके अलावा मैं यह कहना चाहता हूं कि जब से यह घोाणा की गई है तब

से उन मकानों की जमीन की वेल्यू बिल्कुल खत्म हो गई है। लोग कहेंगे कि आज एम.पी. साहब ने लोक सभा में बात उठाई है, प्रदर्शन और धरना किये हैं इसलिए यह मामला टल गया लेकिन बाद में फिर कभी यह जरूर गिराये जायेंगे। इसलिए उन जमीनों की वेल्यू बिल्कुल गिर गयी है। मैं कहना चाहूंगा कि आप अपने माध्यम से रक्षा मंत्री जी का ध्यान इस तरफ आकर्तित करिये कि वहां 50 हजार मकान गिराये जायेंगे जिससे पांच-सात लाख लोग प्रभावित होंगे। इसलिए इसको रोका जाये।

श्री राज बब्बर (आगरा) : माननीय सभापति जी, हमारे वरिठ साथी श्री सुमन जी और श्री एस. पी. बघेल ने आगरा की जो व्यथा, आगरा में जो आतंक पिछले तीन महीने से फैलाया जा रहा है, उसके बारे में विस्तार से बात की है। मैं उन बातों को रिपीट नहीं करना चाहता लेकिन मैं इतना जरूर कहूंगा कि दो महीने पहले जब मैंने रक्षा मंत्री जी से बात की औऱ जब वे डेलीगेशन लेकर यहां पर आये तब उनसे मुलाकात की। उसके बाद उन्होंने आश्वासन दिया कि इस तरह की कोई घटना वहां पर नहीं होगी। लेकिन सेना के अधिकारियों ने वहां पर इस तरह से आतंक मचा रखा है कि वे वहां पर दिन में आकर कोई तोड़-फोड़ नहीं करते बल्कि रात को दो बजे बाकायदा बुलडोजरों और फौज के साथ आकर वहां पर एक घबराहट का माहौल फैलाते हैं और पांच बजे से तोड़ना शुरू करते हैं। साढ़े सात बजे जब मैं उस क्षेत्र में पहुंचा तो उस क्षेत्र का सांसद होते हुए भी मुझे वहां के इलाके के आस-पास तक जाने नहीं दिया गया। मैंने फिर भी संयम से काम लिया। उसके बाद सुबह पौने आठ बजे मैंने रक्षा मंत्री जी के घर फोन किया तो पता चला कि वे अभी सोकर ही नहीं उठे हैं, फोन पर नहीं हैं। वे सवा आठ बजे फोन पर एवेलेबल हुए। मैंने वहां के लोकल आदमियों से रक्षा मंत्री जी की बात कराई। मैंने कहा कि देखिये ये लोग रो रहे हैं और इसके पीछे बुलडोजर इनके मकान ढा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं अफसरान को भेजता हूं। वहां अफसरान भेजे गये लेकिन उसके बाद क्या हुआ, अभी तक मैं नहीं जानता। इतना जरूर हुआ कि अफसरान के आने के बाद भी वहां तोड़-फोड़ का आतंक अभी तक खत्म नहीं हुआ। 11 तारीख के अखबार में यह घोाणा हुई थी कि एयरफोर्स के इलाके में 900 मीटर के दायरे में जो लोग आते हैं, वहां पर उनके मकान तोड़ दिये जायेंगे। मेरा कहना है कि उन लोगों ने एन.ओ.सी. लेकर उस 900 मीटर के दायरे में अपने मकान बनाये थे। अभी उन्होंने यह बात बहुत सही कही कि वहां पर 50 हजार मकान गिराये जायेंगे जिससे पांच-सात लाख लोग प्रभावित होंगे। दुनिया के अंदर जब कभी भी इस तरह की योजना बनती है, जहां तक देश की सिक्योरिटी की बात है तो इसकी रक्षा के लिए सबसे पहले हम खड़े होने वालों में से हैं। मैं इस बात का दावा करता हूं कि जहां देश की सुरक्षा और रक्षा की बात होगी वहां समाजवादी पार्टी, हमारे वरिठ साथी या हम लोग कहीं भी पीछे रहने वाले नहीं हैं। किसी भी पार्टी में बैठे हुए लोग उससे पीछे हटने वालों में से नहीं हैं ।मेरी विनती केवल इतनी है कि कल अगर इस तरह का आर्डिनैंस लाया जाता है कि सुरक्षा के हित को ध्यान में रखते हुए ये मकान तोड़े जाएंगे तो एक भय का माहौल बन जाएगा। दुनिया में कई जगह जैसे शिकागो, लंदन और भी बड़े-बड़े शहरों में ऐसा हुआ। अगर इस तरह ह वाई पट्‌टी हटानी पड़ती है, खेरिया की हवाई पट्‌टी सिर्फ इसलिए हटानी पड़ी कि वह आर्मी के

अन्तर्गत है, वहां आज तक आम आदमी को सुविधा नहीं मिल रही है। अगर सुरक्षा को इतने प्रभाव में लाना है तो क्यों न उस हवाई पट्टी को ही वहां से हटा कर 50, 100 किलोमीटर दूर ले जाएं। क्यों आम आदमी के ऊपर आतंक फैलाने की कोशिश कर रहे हैं? वहां पांच लाख लोग बर्बाद होंगे। आज से पहले वहां दस लाख रुपये से नीचे का कोई मकान नहीं था लेकिन आज उनके मकानों के दाम गिर गए हैं। मैं तीन दिन पहले भी रक्षा मंत्री जी से मिला था, इसी एयर फोर्स के मामले को लेकर डैलीगेशन भी मिला था। उन्होंने कहा कि मैं शीघ्र कर रहा हूं। लेकिन तीन दिन हो गए, अभी तक आगरा के लोगों को कोई राहत नहीं मिली है। अगर सिक्युरिटी के नाम पर वे प्लाट्स जो गरीबों से छीने गए हैं, यह सुनने में आया है और अखबारों में भी छपा है कि वे प्लाट किसी बड़े व्यावसायिक अस्पताल को दिए जा रहे हैं, किसी कारपोरेट सैक्टर को दिए जा रहे हैं जहां टेलीफोन कम्पनी या होटल का निर्माण होगा, तो इससे बड़ी सरकार की विफलता नहीं हो सकती। हमने प्रदेश सरकार से विनती की, केन्द्र सरकार के केन्द्रीय मंत्री से विनती की। मेरी आपसे सदन के माध्यम से विनती है कि आगरा को इस आतंक से बचाया जाए। वहां उजड़ने वाले लोगों में गरीब मुसलमान हैं और गरीब हिन्दू भी हैं, दलित भी हैं, अगर तोड़-फोड़ हो और लोग अपने घरों को टूटता हुआ देख कर वहां खड़े हो जाएं, तो कहीं यह न कहा जाए कि दूसरी कौम के लोगों ने देश की पुलिस के साथ वहां आतंक मचाया और वह आतंक हिन्दू और मुसलमानों का बन जाए। मैं सदन को इस बात से आगाह करना चाहता हूं कि दलित मुसलमान और गरीब हिन्दू अगर खड़े हुए तो जिस तरह गुजरात में आतंक फैला, कहीं दुबारा आगरा में ऐसा आतंक प्रदेश सरकार न मचा दे।...(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : सभापति महोदय, सरकार क्या कर रही है।...(व्यवधान) रक्षा मंत्री जी नहीं हैं, आप सरकार की तरफ से बताइए कि क्या करने वाले हैं।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : बघेल जी, आप बैठिए।

श्री प्रमोद महाजन : सबके भााण में उल्लेख आया है कि वे बार-बार रक्षा मंत्री जी से मिले हैं, रक्षा मंत्री जी से निरंतर सम्पर्क में हैं, आदरणीय बब्बर जी ने दूर ध्वनि पर भी बात की। फिर भी आज उन्होंने सदन में यह विाय उठाया है तो मैं फिर से रक्षा मंत्री जी तक आपकी भावनाएं पहुंचा दूंगा। लेकिन मैं यहां खड़े होकर रक्षा मंत्री जी की किसी जमीन के बारे में कोई फैसला नहीं सुना सकता। मैं आपकी भावनाएं उन तक पहुंचा दूंगा।...(व्यवधान)

श्री मदन लाल खुराना : दिल्ली के पानी, बिजली के संकट के बारे में भी बताइए।...(व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : खुरानी जी, आप नाराज मत होइए।...(व्यवधान) आपकी बिजली, पानी की दो मांगे दिल्ली सरकार की हैं। मैं उनको लिख नहीं सकता। किसी ने शीला जी के त्यागपत्र की

मांग की है तो वह सोनिया जी करेंगी। मैं उनको लिख नहीं सकता। यह केन्द्र सरकार का मामला था इसलिए मैंने इसमें हस्तक्षेप किया।

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : खुराना जी को मंत्री बनाने के बारे में हमारा जो सुझाव था, वह भावना आप वाजपेयी जी तक पहुंचा दीजिए।

श्री प्रमोद महाजन : प्रियरंजन जी की कांग्रेस में तो कोई सुनता नहीं है, उन्होंने कहा है तो मैं वाजपेयी जी तक उनकी बात पहुंचा दूंगा।